मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

दंत चिकित्सा संकाय के छात्रों को मिला प्रतिष्ठित आईसीएमआर-एसटीएस 2024-25 रिसर्च ग्रांट

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) कार्यक्रम के दो छात्रों को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली द्वारा अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अल्पकालिक छात्रवृत्ति (एसटीएस) 2024 रिसर्च ग्रांट प्रदान किया गया है।

आईसीएमआर-एसटीएस कार्यक्रम एमबीबीएस और बीडीएस स्नातक छात्रों के बीच अनुसंधान योग्यता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई एक राष्ट्रीय पहल है, जिससे उन्हें अनुभवी संकाय सलाहकारों के मार्गदर्शन में अनुसंधान पद्धति और तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलती है। प्रत्येक चयनित छात्र को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान अपनी अनुमोदित शोध परियोजना के संचालन के लिए ₹50,000 का वजीफा मिलता है।

वर्षों से, दंत चिकित्सा संकाय ने लगातार एक मज़बूत शोध संस्कृति को बढ़ावा दिया है, जिसके छात्र दंत विज्ञान और अंतःविषय क्षेत्रों में अभिनव कार्यों के लिए अक्सर आईसीएमआर-एसटीएस पुरस्कार प्राप्त करते रहे हैं। इस वर्ष के पुरस्कार विजेता हैं:

1. सुश्री फोना राव; परियोजना का शीर्षक: कम्पेरेटिव इवेल्यूशन ऑफ़ टू रेडियोग्राफिक मेथड्स ऑफ़ डेंटल ऐज एस्टीमेशन इन चिल्ड्रन एंड एडोल्सेंट्स: ए स्टैंडपॉइंट ऑफ़ फोरेंसिक ओडोंटोलोजी। मेंटर: प्रो. (डॉ.) अमन चौधरी।

2. सुश्री ज़ायरा हुसैन। परियोजना का शीर्षक: कम्पेरेटिव असेसमेंट ऑफ़ टेम्पोरोमेनडीबुलर जॉइंट एंड मेसटिकेट्री मसल्स एक्टिविटी यूसिंग यूनीलेटरल वर्सस बायलेटरल जॉव ओपनर इन पेशेंट्स विद ट्रिस्मस। मेंटर: प्रो. (डॉ.) डेबोरा सिबिल।

प्रो. (डॉ.) केया सरकार, डीन, दंत चिकित्सा संकाय, अंडरग्रेजुएट रिसर्च पहलों की प्रबल समर्थक रही हैं। उन्होंने दोनों छात्रों को उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए बधाई दी और उत्कृष्टता की ओर उनका मार्गदर्शन करने के लिए उनके मेंटर्स की सराहना की।

फैकल्टी इस उपलब्धि के लिए पुरस्कार विजेताओं और उनके मार्गदर्शकों को बधाई देता है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सार्थक योगदान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निरंतर समर्पण के साथ, फैकल्टी आने वाले वर्षों में ऐसी और भी सफलताओं की आशा करता है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी